**भारत सरकार**
**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय**
**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग**

**राज्य सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या: 1541**
**20 दिसंबर, 2022 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर**

**मंकीपॉक्स वायरस से बचाव के लिए किए गए उपाय**

**1541. श्री एम. मोहम्मद अब्दुल्लाः**
**श्री एस. कल्याणसुन्दरमः**
**श्री आर. गिरिराजनः**

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का ध्यान इस ओर गया है कि मंकीपॉक्स में चेचक जैसे लक्षण होते हैं और यह रोग 'कोविड-19 की तरह सांस की बूंदों से भी फैल सकता है; और

(ख) यदि हां, तो आवश्यक दवाओं और मंकीपॉक्स वायरस का पता लगाने के लिए परीक्षण किटों के भंडारण में संसाधनों का निवेश करने के लिए सरकार द्वारा की गई या की जा रही पहलों का ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**
**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री (डॉ. भारती प्रविण पवार)**

(क) और (ख); चेचक रोग अब स्वाभाविक रूप से नहीं होता है क्योंकि विश्व स्तर पर इसका उन्मूलन कर दिया गया है। मंकीपॉक्स एक स्व-समिति मास रोग है जिसमें बुखार, तेज सिर दर्द, लिम्फोडनोपैथी (लिम्फ नोड में सूजन), कमर दर्द, मायलजिया (मांस पेशियों में दर्द) और चकते जो अधिकतर चेहरे और हाथ-पैरों पर होते हैं। मंकीपॉक्स के लक्षण सामान्यत: 2-4 सप्ताह तक रहते हैं। यह रोग संक्रमित व्यक्ति अथवा जानवर के साथ निकट संपर्क अथवा वायरस से संदूषित सामग्री के माध्यम से मनुष्यों में संचारित होता है।

हालांकि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मंकीपॉक्स रोग प्रकोप को 23 जुलाई 2022 को एक अंतरराष्ट्रीय चिंता का जन स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया, जबकि मंकीपॉक्स के विश्वस्तरीय रुझान में अगस्त 2022 के मध्य से गिरावट का रुख बना रहा है।

रोग निदान हेतु नैदानिक क्षमता निर्माण के संदर्भ में मंकीपॉक्स रोग की जांच के लिए देशभर मे 20 - आईसीएमआर - नेटवर्क प्रयोगशालाएं चालू की गई हैं।

आज की तारीख तक पहचान किए गए अधिकांश मामले हल्के ही हैं और इस रोग का उपचार कुल मिलाकर सहयोगात्मक बना हुआ हैं। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, कुछ देशों में नैदानिक अनुसंधान संस्थाओं में ही परीक्षण (इन्वेस्टिगेशनल ड्रग्स) दवाओं का प्रयोग किया जाता है।

******